International Journal of Geology, Agriculture and Environmental Sciences
Volume – 7 Issue – 1 January-June 2019
Website: www.woarjournals.org/IJGAES *ISSN: 2348-0254*

जयपुर जिले की चौमूं तहसील में सामाजिक आधारभूत सुविधाओं का मूल्यांकन

डॉ. ऊषा जैन, सह आचार्य, भूगोल विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
सचिन कुमार सत्तावन, शोद्यार्थी, भूगोल विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

शोध सारांश

सामाजिक विकास का अध्ययन अनेक विषयों में उसके विभिन्न आयामों के आधार पर अध्ययन का केन्द्र बिन्दु रहा हैं। कॉरनेल विश्वविद्यालय के सामाजिक मूल्य–अध्ययन के समूह ने सामाजिक मूल्य के अध्ययन की महता को स्वीकार किया हैं एवं इसे अनेक विषयों के मिलन–बिन्दु का स्थान माना हैं। बौद्धिक दृष्टिकोण से इस सम्बोधन की व्यापकता ने इसके अर्थों में भी भिन्नता प्रस्तुत की हैं। इस सम्बोधन के अर्थ के सन्दर्भ में यह कहना उपयुक्त होगा कि कहीं अभिवृत्ति के रूप में, कहीं प्रयोजन के रूप में, कहीं आदर्श तथा अच्छाई के रूप में और कहीं व्यवहार के मानदण्ड के रूप में प्रयुक्त किया गया हैं। अध्ययन क्षेत्र चौमूं तहसील में सामाजिक आधार को मजबूत करने वाली सुविधाओं का मूल्यांकन प्रस्तुत शोध प्रपत्र में किया गया है, जिसमें शिक्षा, बैंकिंग, विद्युत एवं परिवहन सम्बंधी आयामों पर संक्षिप्त विवेचना शोद्यार्थी द्वारा की गई है।

समाज में मनुष्य जब क्रिया करता हैं तो उसके सामने अनेक विकल्प होते हैं उसके किसी एक विकल्प को स्वीकार करके क्रिया करने का आधार सामाजिक विकास ही होता हैं। इस दृष्टिकोण से मूल्य क्रिया का वह आधार हैं जो कि नैतिकता अथवा तर्क अथवा सौंदर्य–परक निर्णय के आधार पर लिया जाता हैं। मूल्यांकन की इस प्रक्रिया में भावना एवं समझ के आधार पर निहित हैं। भूगोलशास्त्री यह मानते हैं कि सामाजिक विकास संस्कृति व भौगोलिक परिवेश के द्वारा स्वीकृत होते हैं और वे संस्थात्मक प्रक्रिया के माध्यम से सामाजिक प्रक्रिया के अंग बन जाते हैं। अतः सामाजिक कारकों का चयन भौगोलिक एवं सांस्कृतिक आधार पर किया जाता हैं। फिर भी मनुष्य का व्यक्तित्व उसे एक ऐसी विशिष्टता प्रदान करता हैं कि वह अलग–अलग विकल्पों में से, जो कि संस्कृति के द्वारा स्वीकृत हैं, किसी एक विकल्प का चयन करता हैं। इस दृष्टिकोण से हालांकि व्यक्ति को विभिन्न विकल्पों में से किसी एक विकल्प को चयन करने की स्वतंत्रता है फिर भी विभिन्न विकल्प सांस्कृतिक व भू–दृश्यों के द्वारा निर्धारित होते हैं।

संकेतांक : *सामाजिक मूल्य, बौद्धिक दृष्टिकोण, अभिवृत्ति, शिक्षा, बैंकिंग, विद्युत, परिवहन, नैतिकता, सांस्कृतिक आधार।*

प्रस्तावना :

चौमू तहसील राजस्थान राज्य के पूर्वी भाग में विस्तृत जयपुर जिले में स्थित तहसील है। जयपुर जिले के मध्य–उत्तरी भाग में स्थित चौमू तहसील उत्तर में सीकर जिले के साथ जयपुर–सीकर जिले की सीमा का निर्माण करती है। सीकर जिले की श्रीमाधोपुर तहसील चौमू तहसील के उत्तर में स्थित है। इस सीमा पर चौमू के किशनपुरा, सिरसा, नांगल–गोविन्द, खेजरोली आदि गांव अवस्थित हैं। चौमू तहसील के उत्तर पूर्व में जयपुर जिले की शाहपुरा तहसील स्थित है। चौमू तहसील के दक्षिण पूर्व भाग में आमेर तहसील स्थित है। इस सीमा पर चौमू तहसील के जाटावाली, चीथवाडी, अनन्तपुरा, जैतपुरा गांव स्थित हैं। चौमू के पश्चिमी भाग में जयपुर जिले की सांभर तहसील स्थित है। इस प्रकार जयपुर जिले में चौमू तहसील की स्थिति अपना महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

चौमू तहसील में 2001 में कुल जनसंख्या 3,26,488 थी तथा 2011 में जनसंख्या 3,95,009 हो गयी है। जिसका वितरण चौमू तहसील के सभी गांवों में समान नही है क्योंकि जनसंख्या वितरण पर उच्चावच, जलवायु, मिट्टी, धरातल, जलापूर्ति, आर्थिक संसाधन (परिवहन, खनिज), सामाजिक–सांस्कृतिक आदि कारक प्रभावित करते हैं।

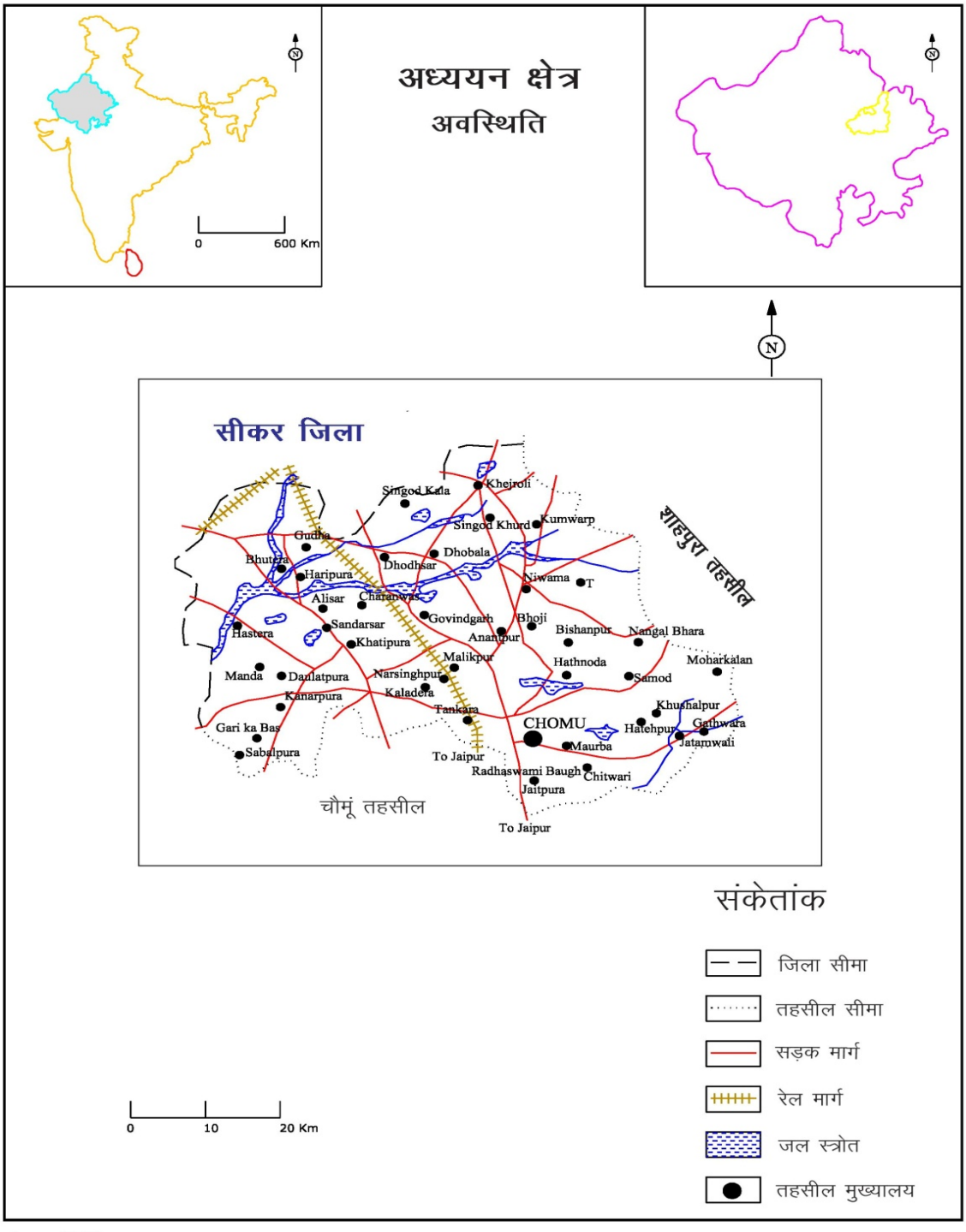

चित्र 1 : अध्ययन क्षेत्र अवस्थिति

चौमू तहसील के पूर्वी, दक्षिणी तथा मध्यवर्ती भाग में जनसंख्या का अधिकतम भाग पाया जाता है। चौमू कस्बे में नगरीय सुविधाओं के कारण सघन जनसंख्या निवास करती है। पश्चिमी भाग में भू–जल स्तर का अधिक गहराई पर पाया जाना तथा कुल मात्रा में कमी, अर्द्धशुष्क जलवायु दशाओं का विस्तार मध्यम उपजाऊ बलुई मिट्टी आदि के कारण कम जनसंख्या पाई जाती है।

शिक्षाः

शिक्षा का मानवीय साधनों के विकास में प्रमुख स्थान होता है शिक्षा एक साधन के साथ–साथ स्वयं में एक साध्य भी होती है, क्योंकि विकास का लक्ष्य लोगों को शिक्षित करना भी होता है। शिक्षा के विकास से अनेक लाभ प्राप्त होते है जैसे जन्मदर में गिरावट लाने में आसानी, शिशु मृत्यु दर में कमी, मानवीय दक्षता में वृद्धि से उत्पादन में वृद्धि, जीवन स्तर में वृद्धि एवं सामाजिक परिवर्तन जिससे सामाजिक कुरीतियों जैसे बाल विवाह, लड़के की इच्छा आदि को दूर करने में मदद मिलती है।

सारणी सं 1 : चौमूं तहसील में शिक्षण संस्थाऐं (वर्ष 2016–17)

क्र. सं.	शिक्षण संस्थाऐं	संख्या
1	सामान्य शिक्षा हेतु कॉलेज	53
2	उच्च माध्यमिक विद्यालय	96
2	माध्यमिक विद्यालय	81
3	उच्च प्राथमिक विद्यालय	95
4	प्राथमिक विद्यालय	136
	कुल	461

स्त्रोत : कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, जयपुर।
कार्यालय निदेशक कॉलेज शिक्षा, जयपुर।

शिक्षा के कई आयाम हैं जैसे प्राथमिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा तथा उच्च शिक्षा। शिक्षा सामान्य प्रकार की एवं तकनीकी हो सकती है। अनेक शैक्षणिक कार्यक्रमों के तहत जयपुर में शिक्षा के विस्तार पर सरकार ने ध्यान दिया है। यही वजह है कि जयपुर शिक्षा के क्षेत्र में देश के उच्च शैक्षणिक विकास वाले जिलों में समाहित किया गया है। चौमूं तहसील में ग्रामीण एवं नगरीय दोनों ही क्षेत्रों में शिक्षा का फैलाव हुआ है। यहाँ प्राथमिक स्कूल, माध्यमिक स्कूल, उच्च माध्यमिक स्कूल आदि सभी प्रकार की शिक्षण संस्थाऐं यहाँ स्थित है। नगरीय क्षेत्रों में कॉलेजों का विकास अधिक हो रहा है परन्तु प्राइवेट कॉलेजों का विकास बड़े–बड़े ग्रामों तक हो रहा है।

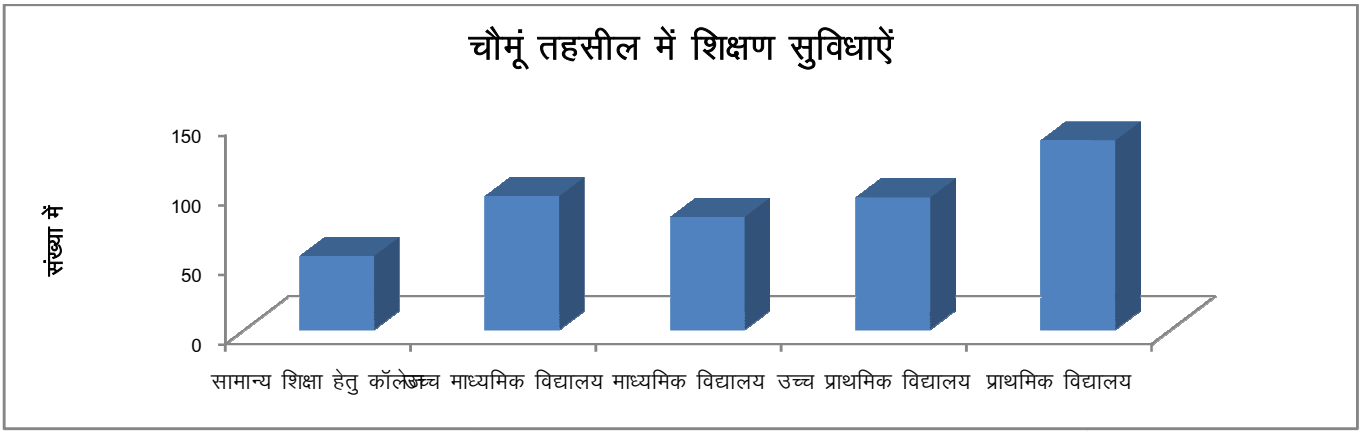

आरेख 1 : चौमूं तहसील में शिक्षण संस्थाऐं

सन् 2016–17 तक तहसील क्षेत्र में 53 सामान्य शिक्षा हेतु कॉलेज, 96 उच्च माध्यमिक एवं 81 माध्यमिक स्कूल, 95 उच्च प्राथमिक विद्यालय, 136 प्राथमिक विद्यालय खोले जा चुके है। इस प्रकार पता इस बात से भी लगता है कि सन् 2016–17 में सीकर के अन्दर विभिन्न शिक्षा संस्थाओं में कुल 46822 छात्र एवं 36773 छात्राएं अध्ययनरत थी जिनकी संख्या में क्षेत्र में लगातार वृद्धि होती जा रही है।

चिकित्सा

स्वस्थ व्यक्ति विकास का साधन व साध्य दोनों होता है। स्वस्थ नागरिक ही देश का विकास तेजी से बढ़ा सकते है और विकास का माप होता है। व्यक्तियों के स्वास्थ्य में सुधार होना चाहिए जो खानपान, शुद्ध पेयजल, आवास की सुविधाओं, पर्यावरण आदि तत्वों पर निर्भर करता है। इनका समुचित विकास होने से लोग स्वस्थ रह सकते है।

सारणी संख्या 2 : चौमूं तहसील में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संस्थाऐं (वर्ष 2016–17)

क्र. सं.	चिकित्सा संस्थाऐं	संख्या
1	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	4
2	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	10
3	उप स्वास्थ्य केन्द्र	69
	कुल	83

स्त्रोत : कार्यालय, खण्ड़ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चौमूं।

स्वास्थ्य सेवाओं में विभिन्न प्रकार की चिकित्सा सेवाएँ आती है,जो विशेषतया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो के द्वारा लोगों को उपलब्ध की जाती है। उत्तम स्वास्थ्य सेवाओं से शिशु मृत्यु दर व सामान्य मृत्यु दर घटती है, जन्म दर कम की जा सकती है एवं औसत आयु ऊँची होती है। चौमूं क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं की महत्वपूर्ण प्राथमिकता माताओं की गर्भावस्था व उसके बाद पूर्ण देखभाल की होनी चाहिए। चौमूं तहसील में ग्रामीण महिलाओं व बच्चों के स्वास्थ्य में लगातार सुधार की अति आवश्यकता है।

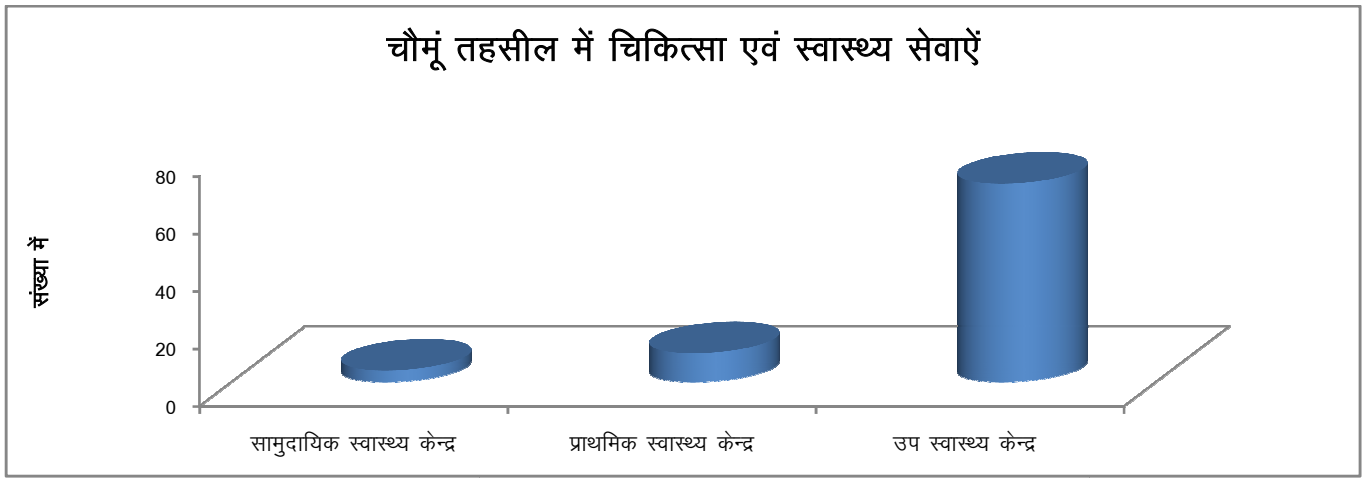

आरेख 2 : चौमूं तहसील में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संस्थाऐं

जिला सांख्यिकी रूपरेखा सन् 2018 के आधार पर चौमूं क्षेत्र में चिकित्सा सुविधाओं के अन्तर्गत 4 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 10 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं 69 उप स्वास्थ्य केन्द्र है। राजकीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा वर्ग में स्वीकृत क्षमता के अन्दर विशेषज्ञ 25 है, सिविल असिस्टेंट सर्जन 42, प्रसाविका 08, मलेरिया एव स्वा. निरीक्षक 3 है। राजकीय आयुर्वेदिक, होम्पयोपैथिक एवं युनानी चिकित्सा संस्थाओं में सेवा वर्ग में वैद्य 4 है। परिवार कल्याण केन्दों (2017–18

के अनुसार) के अन्तर्गत 67 कापर टी केन्द्र, पुरूष नसबन्दी केन्द्र 8, महिला नसबन्दी 37, कण्डोम केन्द्र 82 एवं खाने की गोलियों के गर्भ निरोधक उपयोगकर्ता 13606 है।

सड़क परिवहन

परिवहन व्यवस्था किसी देश या क्षेत्र के विकास का आधार है। जिस प्रकार शरीर में नाड़ी तंत्र द्वारा खून का संचार होता है उसी प्रकार किसी क्षेत्र विशेष में परिवहन द्वारा विभिन्न वस्तुओं, सेवाओं, लोगों के आचार विचार का एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर आवागमन होता है। परिवहन मार्ग एवं साधन के द्वारा ही लोग अपनी आवश्यक वस्तुऐं दूसरे स्थान से आयात करते हैं तथा अपने क्षेत्र में उत्पादित वस्तुऐं दूसरे क्षेत्रों की ओर भेजते हैं।

परिवहन की दृष्टि से चौमूं तहसील में केवल 2 परिवहन के साधन पाये जाते हैं–

1. सड़क मार्ग
2. रेल मार्ग

सड़क मार्ग– चौमूं तहसील में राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग, जिला सड़कें तथा ग्रामीण सड़कें पायी जाती हैं। इस क्षेत्र में परिवहन की दृष्टि से प्रमुख साधन सड़क परिवहन ही है जिसके द्वारा वस्तुओं व सेवाओं का स्थानान्तरण सर्वाधिक होता है। वर्तमान में चौमूं तहसील में कुल 120 गांव हैं जो लगभग सभी गांव सड़कों द्वारा जुडे हुये हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत उन सभी गांवों को भी डामरीकृत सड़कों से जोड़ दिया गया है जहां पहले कच्ची ग्रेवल सड़क पायी जाती थी।

चौमूं तहसील के प्रमुख सड़क मार्गः

राष्ट्रीय राजमार्ग 52– राष्ट्रीय राजमार्ग 52 जयपुर से बीकानेर जाता है। चौमूं तहसील से गुजरता है। चौमूं तहसील में जैतपुरा गांव से ढोढ़सर तक राष्ट्रीय राजमार्ग का विस्तार है जो आगे सीकर होता हुआ बीकानेर जाता है। चौमूं तहसील में इसकी कुल लम्बाई लगभग 29 किमी. है। यह मार्ग चौमूं कस्बे के मध्य से होकर गुजरता है। चौमूं तहसील के जैतपुरा, राधास्वामी बाग, हाडौता, उदयपुरिया, बलखेण, गोविन्दगढ़, ढोढ़सर आदि गांव इस मार्ग पर स्थित हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 चौमूं तहसील की जीवन रेखा मानी जाती है। इस राष्ट्रीय राजमार्ग से चौमूं तहसील के लगभग सभी गांव ग्रामीण सड़कों से जुडे हुये हैं।

लिंक रोड़– चौमूं से चन्दवाजी तक लगभग 27 किमी. लम्बी लिंक रोड़ है जो राष्ट्रीय राजमार्ग 52 को राष्ट्रीय राजमार्ग 48 से जोड़ती है। राष्ट्रीय राजमार्ग 48 चन्दवाजी से भांकरोटा तक बाइपास बनने से पूर्व इस मार्ग का सर्वाधिक महत्व था क्योंकि जयपुर–दिल्ली आने जाने वाले मालवाहक ट्रक कंटेनर आदि इसी मार्ग से जाते थे। वर्तमान में भी दो राष्ट्रीय राजमार्गों को जोड़ने के कारण इसका अधिक महत्व है। इस लिंक रोड़ पर मोरीजा, चीथवाडी, फतेहपुर–समरपुरा, जाटावाली आदि चौमूं तहसील के गांव स्थित हैं। इस लिंक रोड़ के कारण इस क्षेत्र के लोगों को दोनों राष्ट्रीय राजमार्गों का लाभ प्राप्त हो रहा है।

अन्य सड़क मार्ग– चौमूं–रेनवाल, चौमूं–अजीतगढ़, चौमूं–खेजरोली इस क्षेत्र के प्रमुख सड़क मार्ग हैं। चौमूं–रेनवाल मार्ग पर कालाडेरा औद्योगिक क्षेत्र के विकसित हो जाने के कारण एक व्यस्तम सड़क मार्ग है। चौमूं–अजीतगढ़ मार्ग का महत्व सामोद हनुमानजी मन्दिर तथा इसी मार्ग से शाहपुरा–दिल्ली, अजीतगढ़–कांवट–नीमकाथाना जाने के कारण अधिक है।

सारणी 3 : चौमूं में सड़क परिवहन

क्र. सं.	सड़क का नाम	चौमूं तहसील में लम्बाई (किमी.)	मार्ग पर स्थित प्रमुख गांव
1	राष्ट्रीय राजमार्ग 52	29	जैतपुरा, कचौलिया, चौमूं, उदयपुरिया, ढोढ़सर, गोविन्दगढ़
2	चौमूं–चन्दवाजी लिंक रोड़	27	मोरीजा, चीथवाडी, समरपुरा, फतेहपुरा, जाटावाली
3	चौमूं–रेनवाल लिंक रोड़	22	टांकरडा, जयसिंहपुरा, रामगढ़, कालाडेरा, कानरपुरा, गोरी का बास
4	चौमूं–अजीतगढ़ मार्ग	15	सामोद, म्हारकलां
5	चौमूं–खेजरोली मार्ग	25	इटावा–भोपजी, निवाणा, कुँवरपुर, खेजरोली

स्त्रोतः कार्यालय, पी.डब्लू.डी., चौमूं।

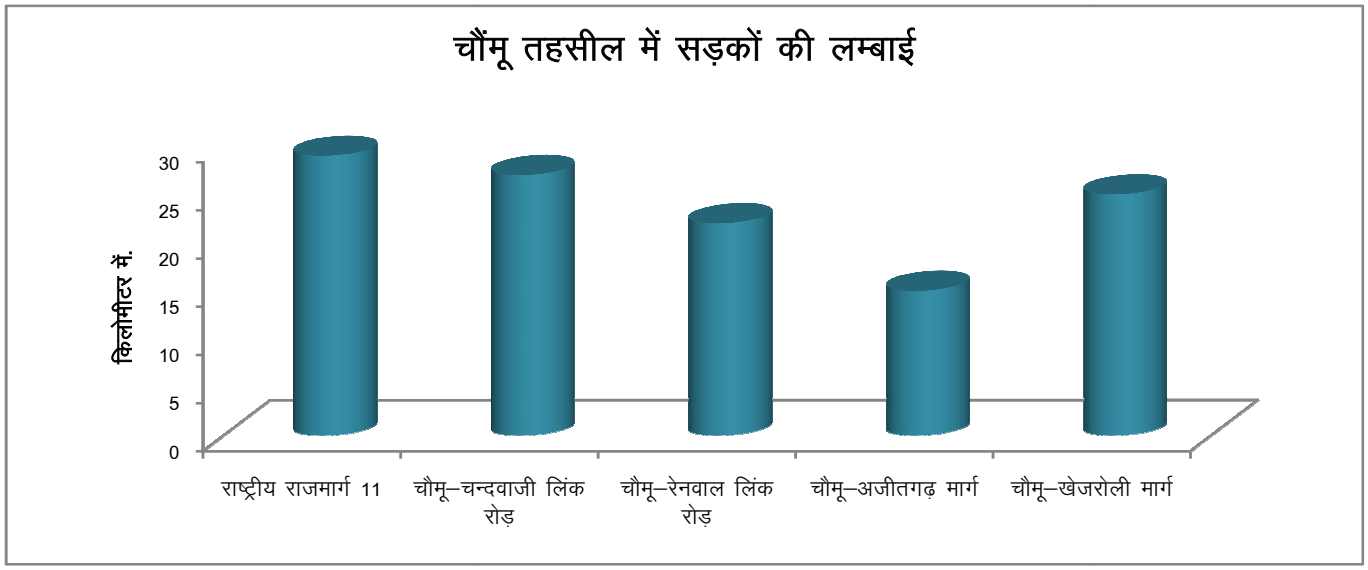

ओरख 3 : चौमूं तहसील में सड़कों की लम्बाई

ग्रामीण सड़क मार्ग– चौमूं तहसील में सबसे अधिक लम्बाई ग्रामीण सड़कों की है। प्रत्येक गांव डामरीकृत सड़कों से जुडा हुआ है। ग्रामीण सड़कों का निर्माण प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, विधायक एवं सांसद विकास कोटा, नगरपालिका की सड़क निर्माण योजना तथा कृषि उपज मन्त्री की सड़क निर्माण योजना के अन्तर्गत किया गया है।

रेलमार्गः जयपुर उत्तर–पश्चिमी रेल्वे का सबसे बड़ा प्लेटफॉर्म है, जहाँ से सैकड़ों रेलगाड़ियां दिनभर में गुजरती हैं। चौमूँ से बीकानेर और सीकर के लिये जाने वाली रेलगाड़ियां निकलती हैं। चौमूं में रेल पटरियों की कुल लम्बाई 28 किलोमीटर है। रेल्वे स्टेशनों में मुख्य रूप से चौमूँ, सामोद और मलिकपुर हैं।

परिवहन के साधन साध्य भी होते है, जिनसे व्यक्ति एवं वस्तुओं का संचार एक स्थान से दूसरे स्थान तक होता है। इनमें मुख्यतः चौमूं तहसील में कारों, बसों, मोटरसाइकिल, ऑटोरिक्शा तथा ट्रेक्टर्स के साथ ही साथ निजी बसें, ठेले एवं सार्वजनिक भारी वाहन आदि आते है।

विद्युत सुविधाः

किसी क्षेत्र का विकास वहाँ के ऊर्जा के विकास पर निर्भर करता है। कृषि उद्योग, परिवहन आदि क्षेत्रों में ऊर्जा की आवश्यकता होती है। सन् 2016–17 चौमूं तहसील के सभी ग्राम एवं कस्बे विद्युतिकृत हो चुके है कोई भी ग्राम शेष नहीं है। जिले में गत वर्षों में चलाये गये विद्युत कार्यक्रम निम्न हैः

तहसील में विगत वर्षों में 132 के.वी. का एक तथा 33/11 के. वी. 20 जी. एस.एस. का निर्माण कराया गया। इस अवधि में 500 कृषि, 20997 घरेलु, 406 पेयजल के, 58 औद्योगिक, 1208 कुटीर ज्योति, 3154 अघरेलु तथा 429 अनुसूचित जाति कनेक्शन जारी किये गये और 10 हरीजन बस्तियों का विद्युतीकरण किया गया।

इस दौरान 4918 नये ट्रांसफॉर्मर लगाये गये तथा 12601 खराब ट्रांसफॉर्मर बदले गये और सिंगल फेस के 893 ट्रांसफार्मर लगाये गये। 33 के.वी. की 159 किमी. 11 के. वी. की 973 किमी तथा एल.टी. 1086 किमी विद्युत लाईन डाली गई। उपभोक्ताओं की समस्याओं के निराकरण के लिए जिला मुख्यालय पर कॉल सेन्टर कायम किया गया, जिसका टोल फ्री दूरभाष नम्बर डी.एल.एल. 912 है। समझौते समितियों के माध्यम से 1751 प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

सारणी संख्या 4 : चौमूं तहसील में विद्युत उपभोग

क्र. सं.	उद्योगों का प्रकार	विद्युत उपभोग (मि. कि. वाट में)	विद्युत उपभोग (प्रतिशत में)
1	घरेलू एवं आवासीय उपभोग	157.75	14.61
2	व्यावसायिक उपभोग	34.71	3.22
3	औद्योगिक उपभोग	79.44	7.36
4	सार्वजनिक लाईट उपभोग	2.85	0.26
5	सार्वजनिक जल प्रदाय उपभोग	42.18	3.91
6	सिंचाई उपभोग	748.08	69.30
7	अन्य	14.52	1.35
	कुल उपभोग	1079.56	100

स्त्रोतः अजमेर विद्युत वितरण निगम लि., जयपुर।

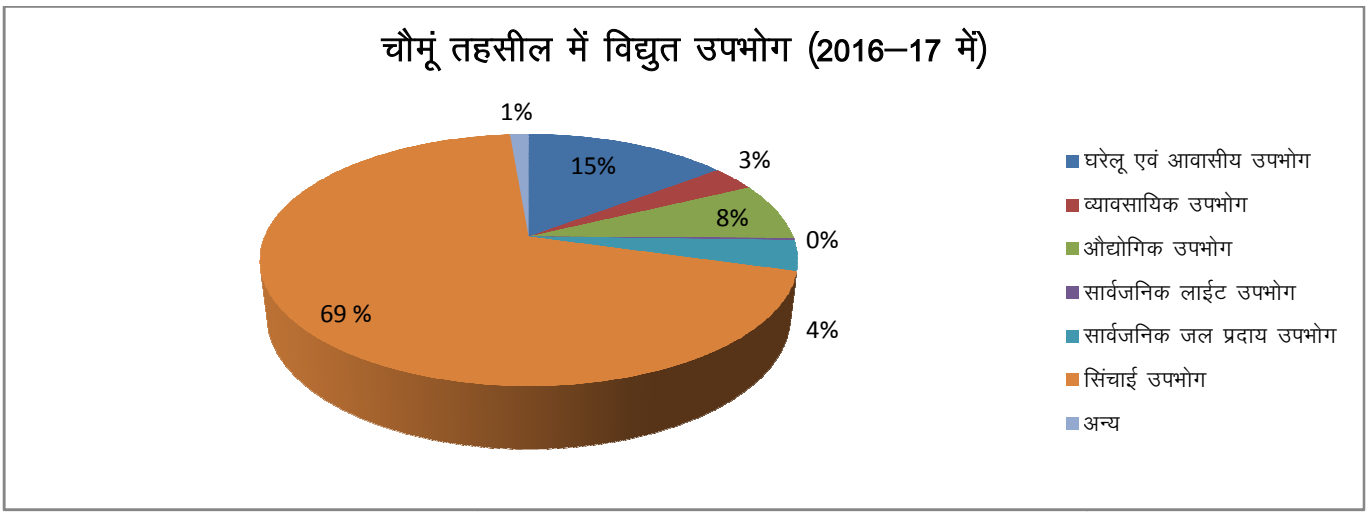

आरेख 4 : चौमूं तहसील में विद्युत उपभोग

चौमूं तहसील में वर्ष 2016–17 में कुल 1079.56 मि. कि. वाट विद्युत का उपभोग हुआ है। जिसमें सर्वाधिक 748.08 मि. कि. वाट विद्युत का उपभोग कृषि कार्यों यथा सिंचाई में हुआ है जो कुल विद्युत उपभोग का 69.30 प्रतिशत है। इसके बाद विद्युत का सर्वाधिक उपभोग घरेलू एवं आवासीय प्रयोजनार्थ किया जाता है जो कि कुल विद्युत उपभोग का 14.61 प्रतिशत है। सबसे कम सार्वजनिक लाईटों में विद्युत खर्च होती है, यह मात्र 0.26 प्रतिशत ही है।

सारणी 5 : चौमूं तहसील में विद्युत उपभोक्ता (वर्ष 2016–17)

क्र. सं.	उपभोक्ता का प्रकार	संख्या	संख्या (प्रतिशत में)
1	घरेलू एवं आवासीय उपभोक्ता	21702	41.23
2	व्यावसायिक उपभोक्ता	2639	5.01
3	औद्योगिक उपभोक्ता	350	0.66
4	सार्वजनिक उपभोक्ता	156	0.30
5	सार्वजनिक जल प्रदाय उपभोक्ता	2556	4.86
6	सिंचाई उपभोक्ता	24434	46.42
7	अन्य	801	1.52
	कुल उपभोग	52638	100.00

स्त्रोतः अजमेर विद्युत वितरण निगम लि., जयपुर।

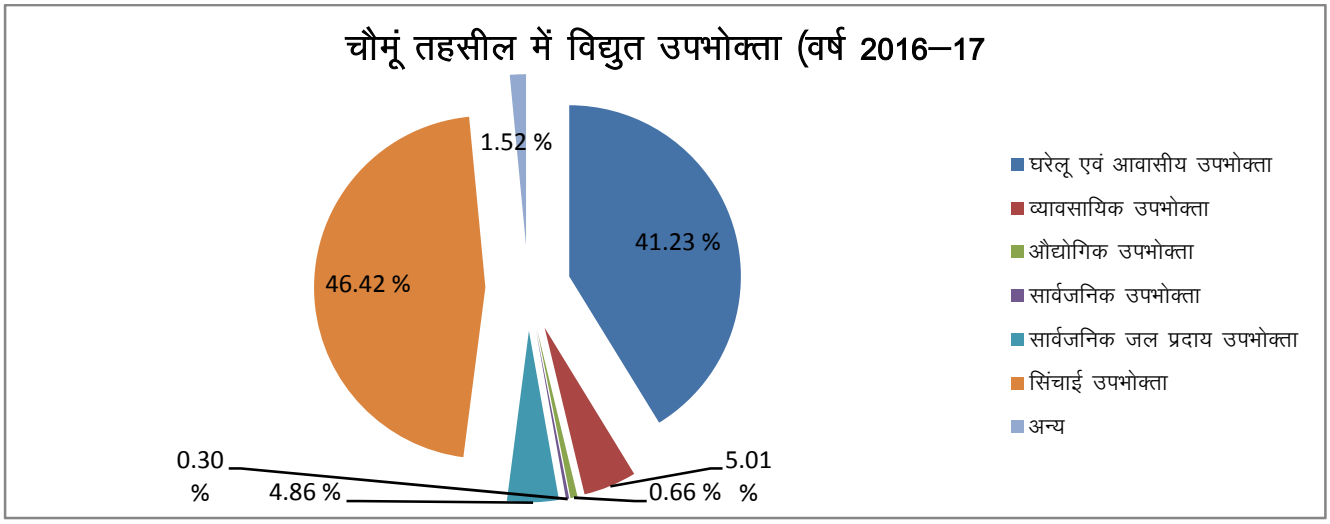

आरेख 5 : चौमूं तहसील में विद्युत उपभोक्ताओं की संख्या

चौमूं तहसील में कुल उपभोक्ताओं की संख्या 52638 है। इन उपभोक्ताओं में सर्वाधिक सिंचाई उपभोक्ता है जो कुल उपभोक्ताओं का 46.42 प्रतिशत है। 41.23 प्रतिशत घरेलू एवं आवासीय उपभोक्ता हैं तथा 5.01 प्रतिशत व्यावसायिक, 0.66 प्रतिशत औद्योगिक, 4.86 प्रतिशत सार्वजनिक जल प्रदाय उपभाक्ता, 0.30 प्रतिशत सार्वजनिक उपभोक्ता एवं 1.52 प्रतिशत अन्य उपभोक्ता है।

बैकिंग एवं संचार :

बैकिंग सेवाओं का भी पोषणीय विकास पर प्रभाव पड़ता है। अच्छी बैकिंग सुविधाओं से किसानों व अन्य व्यापारियों को ऋण लेने में सुविधा रहती है। तहसील में स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, ओरियन्टल बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक

ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर, बड़ौदा बैंक तथा अन्य बैंक एवं जीवन बीमा क्षेत्र में भारतीय जीवन बीमा निगम, सहारा, बजाज, टाटा ए.आई.जी. आदि विद्यमान है।

सारणी संख्या 6 : चौमूं तहसील में संचार सुविधाऐं (2016–17)

क्र. सं.	संचार सुविधा	संख्या	संख्या (प्रतिशत में)
1	डाकघर	46	0.06
2	टेलीफोन केन्द्र	4	0.00
3	सार्वजनिक सन्देश कार्यालय	1	0.00
4	स्थानीय कार्यालय	1	0.00
5	मोबाइल	82449	99.92
6	लेटर बॉक्स	11	0.01
	कुल	82512	100.00

स्त्रोत : कार्यालय अधीक्षक, डाकतार विभाग, जयपुर।

व्यावसायिक उन्नति एवं औद्योगिक विकास के लिए परिवहन के साथ–साथ संचार सुविधाएँ अत्यधिक आवश्यक है। विभिन्न क्षेत्रों के मध्य मनुष्यों का आवागमन एवं माल का परिवहन दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। परिवहन के साधनों द्वारा भौतिक पदार्थो एवं व्यक्तियों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जाता है।

चौमूं तहसील में वर्ष 2016–17 में संचार सुविधा के साधनों की संख्या 82512 थी। जिनमें सर्वाधिक संख्या मोबाइलों की थी जो कुल सुविधा साधनों की 99.92 प्रतिशत था। दूसरे स्थान पर 0.06 प्रतिशत ड़ाकघर थे, 2.12 प्रतिशत टेलीफोन केन्द्र, सार्वजनिक सन्देश कार्यालय और स्थानीय कार्यालय की संख्या न के बराबर थी।

पेयजलः

जल के बिना मनुष्य जीवित नहीं रह सकता है आज तहसील फ्लोराइड युक्त जल से ग्रसित है। जो कि एक भयंकर समस्या है। जिसके निजात के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाये जा रहे। जिले में पेजयल हेतु किये गये विभिन्न विकास कार्यक्रम निम्न है :–

तहसील के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र में 64 क्षेत्रीय, 94 पाइप्ड, 586 टी.एस.एस. तथा 288 हैण्ड पम्प योजनाओं के माध्यम से पेयजल व्यवस्था का संचालन किया जा रहा है। तहसील के शहरी क्षेत्र में इस समय 9 नलकूपों और 324 हैण्डपम्पों के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति हो रही है।

तहसील में विगत तीन वर्षों के दौरान 321 नये नलकूप तथा 2446 नये हैण्डपम्प स्थापित किये गये। 37 फ्लोराइड प्रभावित गांवों से शुद्ध पेयजल सुलभ कराया गया। 1372 गांवों, ढाणियों व बस्तियों में पेयजल उपलब्ध कराया गया। पेयजल कार्यो पर 51.77 करोड़ रूपये खर्च किये गये। 103 किलोमीटर पेयजल की पाईप लाईन बिछाई गई।

डीजल इंजन :– यह सिंचाई साधन डीजल द्वारा चलित है। वर्ष 1996–97 में तहसील में कुल डीजल पम्प सेट 18001 थे। वर्ष 2006–07 में डीजल पम्प सेटों की संख्या कम होकर 5003 हो गई। वर्ष 2016–17 में कुल डीजल पम्प सेट 1886 है। उपरोक्त वर्णन से स्पष्ट होता है कि डीजल पम्प सेट की संख्या निरन्तर कम हो रही है। वर्ष 1996–97 से 2016–17 के मध्य इनकी संख्या 89.52 प्रतिशत कम हो गई है।

सारणी सं. 7 : चौमूं तहसील में कृषि यंत्रों की संख्या

क्र. सं.	कृषि यंत्र	वर्ष 1996–97	वर्ष 2006–07	वर्ष 2016–17	अन्तर वर्ष 1996–97 से वर्ष 2006–07	अन्तर वर्ष 1996–97 से वर्ष 2016–17
1	ड़ीजल इंजन	18001	5003	1886	–12998	–3117
2	विद्युत पम्प	9568	13013	13634	3445	621
3	ट्रैक्टर	1405	10911	23866	9506	12955

स्त्रोत : जिला सांख्यिकी रूपरेखा, जयपुर, 2018।

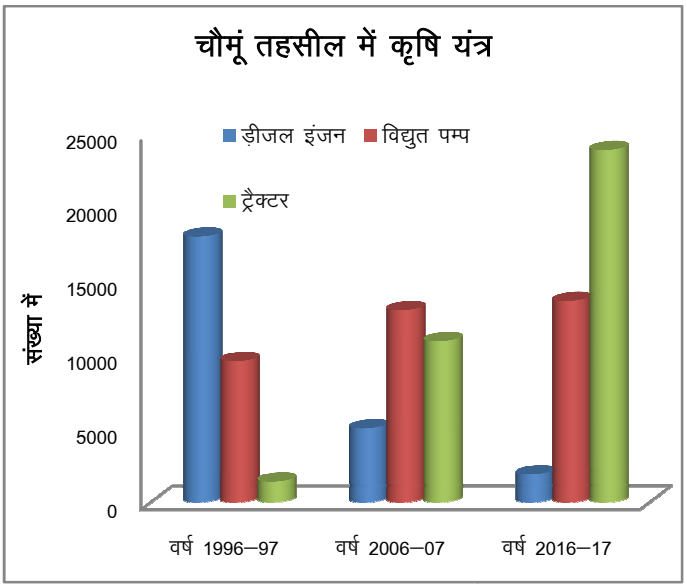

आरेख 6 : चौमूं तहसील में कृषि यंत्र

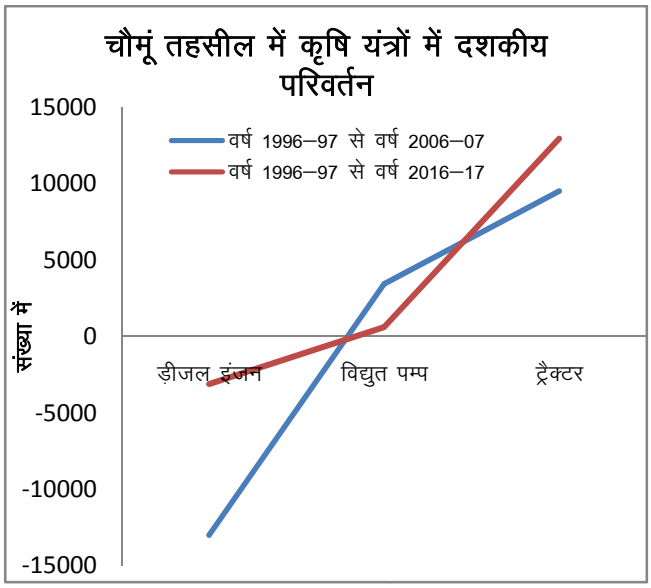

आरेख 7 : चौमूं तहसील में कृषि यंत्रों में दशकीय परिवर्तन

विद्युत पम्पः– चौमूं तहसील में कृषि उपकरणों में विद्युत पम्प सेटो का प्रमुख स्थान है, विद्युत पम्प सेट विद्युत से चालित होते है। विद्युत पम्प सेट गहरे जल का दोहन करने में सक्षम है। वर्ष 1996–97 में तहसील में इनकी संख्या 9568 थी तथा वर्ष 2006–07 में इनकी संख्या 13013 है जो वर्ष 2016–17 में बढ़कर 13634 हो गई है। उपर्युक्त वर्णन से स्पस्ट होता है कि तहसील का भूजल स्तर कम होता जा रहा है।

ट्रैक्टर :– आधुनिक कृषि का मुख्य आधार है, यह कृषि की बहूपयोगी मशीन है, इनका प्रयोग फसल बोनें के प्रारम्भ से लेकर अंत तक होता है। चौमूं तहसील में वर्ष 1996–97 में 1405 ट्रैक्टर थे, 2006–07 में 10911 और 2016–17 में 23866 ट्रैक्टर है, अतः उपर्युक्त वर्णन से स्पष्ट है कि इनकी संख्या निरन्तर बढ़ रही है। वर्ष 1996–97 से 2006–07 तक ट्रैक्टर में 676.58 प्रतिशत की वृद्धि हुई जो कि अत्यधिक वृद्धि को इंगित करती है। वर्ष 2006–07 से 2016–17 के मध्य तहसील में ट्रैक्टर में वृद्धि 118.73 प्रतिशत रही।

निष्कर्षः

सामाजिक विकास से तात्पर्य आधारभूत सुविधाओं के विकास से है जो एक राज्य द्वारा निवास करने वाली जनसंख्या को उपलब्ध करवायी जाती है। सामाजिक विकास में शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य सुविधाऐं, परिवहन, विद्युत, बैंकिंग, संचार एवं पेयजल आदि सुविधाऐं आती हैं।

चौमूं तहसील शिक्षा के क्षेत्र में लगातार उन्नति कर रहा है। पुरूषों के साथ–साथ महिला शिक्षा में भी सीकर जिला अव्वल जिलों में आता है। साक्षरता जनसंख्या का गुणात्मक पहलू है। अतः चौमूं तहसील इस गुणात्मक पहलू के द्वारा सामाजिक विकास उतरोत्तर कर रही है।

शिक्षा में सुधार के कारण चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में उन्नति होती जा रही है अर्थात तहसील की जन्म दर में कमी, मृत्यु दर में गिरावट व पोषण स्तर में सुधार के कारण जीवन प्रत्याशा में वृद्धि हो रही है। जनसंख्या वृद्धि में कमी के कारण परिवार कल्याण के केन्द्र में वृद्धि, पुरूष नसबन्दी में जागरूकता से हो रही है।

उपर्युक्त से स्पष्ट हो रहा है कि चौमूं तहसील में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार एवं सामाजिक आर्थिक विकास के कारण जन्म एवं मृत्यु दर में लगातार कमी तहसील में परिवहन के साधन के रूप में सड़क एवं रेल परिवहन का विकास हुआ है। यहाँ विभिन्न प्रकार की सड़के जैसे पक्की सड़क कच्ची सड़क एवं फुटपाथ पायी जाती है क्षेत्र में राष्ट्रीय मार्ग के साथ–साथ राजमार्ग एवं अन्य महत्वपूर्ण सड़कों का विगत वर्षो में विकास हुआ है। यहाँ वायु मार्ग की सुविधा नहीं पायी जाती। परिवहन के विकास का पता इसी बात से चलता है कि यहाँ 2016–17 में कुल 26976 विभिन्न प्रकार के परिवहन वाहनों का पंजीकरण हुआ है।

विद्युत सुविधाओं में चौमूं तहसील वर्ष 2016–17 में पूर्ण विद्युतीकृत हो चुकी था। सिंचाई, घरेलू आवश्यकता और उद्योगों के लिये पर्याप्त विद्युत अध्ययन क्षेत्र में उपलब्ध है। बैंकिंग एवं संचार सेवाओं में सरकार द्वारा जारी योजनाओं से अधिकांश व्यक्ति लाभ प्राप्त कर रहे हैं। अध्ययन क्षेत्र का पूर्वी भाग फ्लोराइड की समस्या से ग्रसित है जिसे दूर करने हेतु सरकारी स्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं।

सन्दर्भ ग्रन्थ

सार्वजनिक निर्माण विभाग, जयपुर 2013–14

योजना आयोग रिपोर्ट, 2013

सांख्यिकी सारांश, 2002, यातायात विभाग, राजस्थान सरकार यातायात विभाग रिपोर्ट, राजस्थान सरकार, 1992 पी. डब्ल्यू.डी., जयपुर, राजस्थान।

साख्यिकी सारांश 2013, यातायात विभाग, राजस्थान सरकार यातायात विभाग रिपोर्ट, राजस्थान सरकार 2014 पी. डब्ल्यू.डी. राजस्थान।

पी.डब्ल्यू.डी. राजस्थान, जयपुर।

pmgsy.nic.in/

Toposheet No. 45N/9, 45 9/10, 45 N/13, 45 M/14, Survey of India, Dehradun